D1H, Chapter-8, Nature and Role of Political Parties Dr. Avinash Kumar
D1S, Chapter-8, Political Parties

दल प्रणाली के रूप (Forms of Party System)

3. बहुदलीय प्रणाली (Multi-Party System) - यदि किसी देश की राजनीति में काफी अधिक संख्या में राजनीतिक दल हों तो उसे बहुदलीय प्रणाली कहा जाता है। उदाहरण - फ्रांस, इटली, स्पेन, नीदरलैण्ड, बेल्जियम, वर्तमान समय में भारत में भी बहुदलीय प्रणाली पायी जाती है। बहुदलीय प्रणाली वाले देश में जब संसदात्मक व्यवस्था को अपनाया जाता है तो कोई भी राजनीतिक दल अकेले ही मन्त्रिमण्डल का निर्माण करने की स्थिति में प्रायः नहीं होता और गठबंधन सरकार का निर्माण किया जाता है।

बहुदलीय प्रणाली के लाभ - मुख्यतः द्विदलीय प्रणाली के दोष ही बहुदलीय प्रणाली के लाभ है।

(i) बहुदलीय प्रणाली में विचारों की बहुत अधिक स्वतंत्रता पायी जाती है क्योंकि यहाँ दलों की संख्या अधिक होती है।

(ii) सामान्यतया व्यवस्थापिका में किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत प्राप्त नहीं होने के कारण गठबंधन सरकार का निर्माण किया जाता है जिसमें कई दलों के नेता मन्त्रिमण्डल में होते हैं। अतः मन्त्रिमण्डल की तानाशाही सम्भव नहीं हो पाती।

(iii) विचारों की अधिक स्वतंत्रता के कारण देश दो गुटों में नहीं बँट पाता।

(iv) बहुदलीय पद्धति वाले देशों में प्रायः व्यवस्थापिका में सभी विचारधाराओं के लोगों को प्रतिनिधित्व मिल जाता है।

(v) इस प्रणाली में व्यक्ति को कुछ सीमा तक अपना व्यक्तित्व बनाए रखने का अवसर देती है। यदि एक दल उनके विचारों के अनुकूल नहीं रहता तो वह व्यक्ति किसी दूसरे दल को अपना सकता है।

Avinash

Scanned with CamScanner

(vi) जैसा कि हम जानते है बहुदलीय पद्धति वाले देशों में दलों की संख्या अधिक रहती है अतः वहाँ के मतदाताओं के पास चयन की अधिक स्वतन्त्रता रहती है।

बहुदलीय प्रणाली के दोष -

(i) बहुदलीय प्रणाली के अन्तर्गत सरकार का निर्माण जनता के द्वारा नहीं वरन राजनीतिक दलों के पारस्परिक समझौतों द्वारा होता है।

(ii) प्रायः गठबंधन सरकार होने के कारण इस प्रणाली में प्रधानमंत्री की स्थिति कमजोर होती है।

(iii) इस प्रणाली वाले देशों में राजनीतिक अस्थिरता की संभावना अधिक रहती है।

(iv) इस प्रणाली के तहत सरकार बनाने और बिगाड़ने के लिए सदा नये-नये गठबन्धन बनते रहते हैं। अतः नयी-नयी स्वार्थी नीतियाँ पनपती रहती हैं।

(v) इस प्रणाली में शक्तिशाली विरोधी दल का अभाव रहता है।

(vi) अस्थिर सरकारें होने के कारण, लम्बे समय को ध्यान में रखकर देश की प्रगति के लिए किसी भी प्रकार की योजना का निर्माण सम्भव नहीं हो पाता।

निष्कर्ष - बहुदलीय प्रणाली गठबंधन सरकार का निर्माण करती है जो प्रायः अस्थाई होती है साथ ही यह सरकार देशहित एवं जनहित के स्थान पर अपने अस्तित्व को बनाए रखने में ज्यादा प्रयत्नशील रहती हैं।

• निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि दलीय प्रणाली के प्रमुख तीनों रूप एकदलीय प्रणाली, द्विदलीय प्रणाली एवं बहुदलीय प्रणाली में से प्रजातंत्र के सफल संचालन हेतु, स्थायी सरकार हेतु एवं देश के विकास के लिए लम्बी योजनाओं के निर्माण हेतु द्विदलीय प्रणाली अधिक उचित है।

Avinash

Scanned with CamScanner

डॉ. फाइनर के शब्दों में, राष्ट्रों की प्रसन्नता और उनके कर्तव्यपालन के लिए बहुदलीय व्यवस्था की अपेक्षा द्विदलीय व्यवस्था अधिक उचित है और यदि दो ही दल हमेशा चुनाव प्रतियोगिता में उतरें, तो असत्यों और त्रुटियों को हर स्थान पर चुनौती दी जा सकती है। पुनः अधिकांश राजनीतिक विचारक द्विदलीय व्यवस्था का ही पक्ष ग्रहण करते हैं और वास्तव में यही व्यवस्था व्यवहारिक भी है।

- एक दलीय प्रणाली वाले देश – (साम्यवादी देश)

(i) चीन (ii) क्यूबा

- द्विदलीय प्रणाली वाले देश –

(i) इंग्लैण्ड (लेबर पार्टी एवं कंजरवेटिव पार्टी)
(ii) अमेरिका (डेमोक्रेटिक दल एवं रिपब्लिकन दल)
(iii) कनाडा (iv) आस्ट्रेलिया (v) न्यूजीलैण्ड
(vi) श्रीलंका (श्रीलंका फ्रीडम पार्टी एवं यूनाइटेड नेशलिस्ट पार्टी)

- बहुदलीय प्रणाली वाले देश –

(i) इजरायल में लिकुड पार्टी व कदीमा पार्टी मुख्य दल है।
(ii) जर्मनी में इस दलीय व्यवस्था को विचारकों ने ढाई दलीय व्यवस्था कहा है।
(iii) बेल्जियम, (iv) फ्रांस (v) स्पेन
(vi) पाकिस्तान (vii) नीदरलैण्ड (viii) भारत

Avinash
Dr. Avinash Kumar
Email - avibasingh@gmail.com

Scanned with CamScanner